erogare, expendere *pecuniam.* HIT. 61.3.: क्षुद्रम् आयम् अनालोच्य व्ययमानः स्ववाञ्छया; 60.10.: खादितं व्ययितम् अवधीरितश्च (मांसम्); 98.17.

c. अप negare. MAN. 8.60.: पृष्टस् त्व् अपव्ययमानः·

2. व्यय् 10. *P.* व्याययामि (क्षेपे *K.* नुदि *V.*; ut videtur, Caus. r. इ praef. वि, v. 1. व्यय् et व्यप्) conjicere, mittere.

व्यय *m.* (r. 1. व्यय् s. अ) 1) erogatio. HIT. 77.21. 98.17. 104.12. 2) perditio. HIT. 16.4. Lass. 59.1.

व्यर्थ (*BAH.* e वि et अर्थ) inutilis. HIT. 31.1.

व्यलीक *n.* (e वि et अलीक) tormentum, cruciatus. AM. III. 4.12.: पीडार्थे ऽपि व्यलीकं स्यात्; HIT. 70.1.

व्यवसाय *m.* (r. anom. सो c. अव praef. वि s. य) 1) consilium, decretum. BR. 2.32. SA. 4.6. 2) opera, labor, studium. N. 24.20.

व्यवसायिन् (a praec. s. इन्) consilio, decreto *vel* operâ, labore, studio praeditus. BH. 45.11. 46.15.

व्यवसिष्यामि v. सो c. अव praef. वि·

व्यवस्थिति *f.* (r. स्था stare, esse, c. अव praef. वि s. ति) actio standi, manendi, persistendi *in alq. r.* BH. 16.1.

व्यवहार *m.* (r. हृ c. अव praef. वि s. अ) 1) vitae ratio, vitae consuetudo, mores. HIT. 18.21. 73.22. 2) usus, consuetudo, mos. HIT. 87.15.

व्यसन *n.* (r. अस् conjicere s. अन) 1) nequitia, vita dissoluta. HIT. 8.17. 36.10.; *v. sq.* 2) calamitas. N. 7.13. HIT. 71.5. 3) attentio, intentio, animus attentus. HIT. 13.22.

व्यसनिता *f.* (a sq. s. ता) *Abstractum sequentis.* HIT. 94.3.

व्यसनिन् (a praec. s. इन्) 1) dissolutus, libidinosus, nequam; (Wils. «*addicted to evil practices, as to gaming, drinking, wenching*»). HIT. 62.14.; अव्यसनिन् HIT. 83.22. 2) infelix, infortunatus, calamitosus.

व्यस्त (part. pass. r. अस् praef. वि) turbatus, perturbatus, confusus. HIT. 102.7.

व्यसु (*BAH.* e वि et असु spiritus vitalis, vita) vitae expers, mortuus. N. 11.39.

व्याकरण *n.* (r. कृ c. आ praef. वि s. अन) grammatica. UP. 20.

व्याकुल (r. कुल् c. आ praef. वि s. अ) i. q. आकुल· N. 16.15. DR. 8.44.

व्याघात *m.* (*Caus.* r. हन् c. आ praef. वि s. अ) percussio, perturbatio. IN. 5.11.

व्याघ्र *m.* tigris. DR. 8.3. *In fine compositorum ponitur ad indicandum* optimum, praestantissimum. H. 1.35. 4.57.

व्याज *m.* (r. अज् vel अञ्ज् c. आ praef. वि s. अ) dissimulatio. Lass. 76.9.

व्यात्त v. दा c. आ praef. वि·

व्याध *m.* (r. व्यध् s. अ) venator. N. 11.26.29. (*V.* व्यध्·)

व्याधि *m.* (r. धा ponere c. आ praef. वि s. इ) morbus. BH. 13.8.

व्याधित (a praec. s. इत) aegrotus. HIT. 41.11.

व्यापद् *f.* (r. पद् c. आ praef. वि) infortunium, calamitas. HIT. 44.5. (v. आपद्, आपत्ति)·

व्यापार *m.* (r. 2. पृ c. आ praef. वि s. अ) 1) opera, labor, occupatio, negotium. HIT. 8.2. 49.5.7. 2) vindiciae, postulatio. UR. 49.10.: व्यापारं व्रजसि मे शरीरे «corpus meum tibi vindicas».

व्यायत v. 1. यम् c. आ praef. वि·

व्यामिश्र (r. मिश्र् miscere c. आ praef. वि s. अ) confusus. BH. 3.2.

व्यायाम *m.* (r. 1. यम् c. आ praef. वि s. अ) 1) lassitudo. SA. 5.2. 2) opera, contentio, pugna. A. 3.40.

व्याल *m.* serpens. A. 2.3. R. Schl. II. 59.10. *Fem.* व्याली MR. 19.4. (Cf. germ. vet. et anglo-sax. *âl* anguilla.)

व्युषित v. वस् praef. वि·

व्युष्ट v. वस् praef. वि·

व्युष्टि *f.* (r. वस् praef. वि s. ति, v. gr. 645.) felicitas. BR. 2.22.

व्यूढ v. ऊह् et वह् praef. वि·

व्यूह *m.* (r. ऊह् s. अ) turba, multitudo. N. 12.30.

व्ये 1. *P. A.* tegere. *Part. pass.* वीत, v. gr. 610.

c. परि *id.* परिवीत tectus, indutus. RAGH. 15.77.